74वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) का प्रदेश की जनता के नाम संदेश/अभिभाषण।

(21 जनवरी, 2023 को रिकार्डिंग हेतु)

जय हिन्द।

प्रिय प्रदेशवासियों,

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरा प्रणाम एवं इस दिवस की आपको शुभकामनांए। आज के इस अवसर पर मैं सबसे पहले अपने स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों, सेनानियों और शहीदों को नमन करता हूँ। यह उन ही लोगों का संघर्ष और बलिदान और कठोर साधना थी कि हम आज खुली हवा में सांस ले रहे हैं।

यह अवसर बाबा भीमराव अंबेडकरव संविधान निर्माताओं को भी याद करने का है जिनके महान प्रयासों से ही लोकत़न्त्र के इस देश को आगे बढने का मौका मिला है।

आज के शुभ अवसर पर देवभूमि, तपभूमि, वीरभूमि और सैन्यभूमि की ओर से प्रत्येक नागरिक की ओर से अपने देश की सीमांओं में तैनात जवानों व देश–प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा में लगे जवानों के साहस और इरादों को भी नमन करता हूँ जिनकी बदौलत हम अपने घरों में निश्चिंत हैं।

प्रिय प्रदेश वासियों,

लोकतंत्र में नागरिकों की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आप सभी नागरिक केवल गणतंत्र निर्माता और संरक्षक ही नहीं हैं बल्कि इसके आधार स्तंभ हैं। हर नागरिक लोकतंत्र को शक्ति देता है। और अपने–अपने कर्तव्यों से देश व लोकतंत्र को आगे बढ़ाते हैं।

हर नागरिक को भारतीय संविधान को अवश्य पढ़ना और समझना चाहिए। विशेषकर, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 51ए में जिसमें मौलिक कर्तव्यों का वर्णन किया गया है। वे हर नागरिक को जरूर पढ़ने चाहिए और उनका पालन कर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए।

आप सभी सौभाग्यशाली हैं कि देवभूमि की इस पावन धरा पर जन्म लिया है। जहाँ अनेक महापुरुषों ने जन्म लेकर कठोर तपस्या की है। आप सभी को उत्तराखण्ड के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। प्रदेश के समग्र विकास एवं खुशहाली में अपना योगदान देना होगा। राज्य की खुशहाली व प्रगति में यहाँ की महिलाओं, युवाओं, किसानों, व्यापारियों सहित सभी वर्गों और समुदायों को अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देना होगा जिससे उत्तराखण्ड देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य के लक्ष्य को पूरा कर सके।

राज्य गठन के बाद उत्तराखण्ड ने विकास और तरक्की का 22 वर्षों का सफर पूरा किया है। लेकिन अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। हमारे सामने चुनौतियां जरुर हैं लेकिन मेरा मानना है कि यहाँ युवाओं, महिलाओं में जो काबिलियत है उसके दम पर हम भविष्य की चुनौतियों से आसानी से पार पा लेंगे। विकास और तरक्की में सबकी समान भागीदारी से ही गणतंत्र की मूल भावना को साकार किया जा सकता है। हमें राज्य के विकास में स्थानीय भागीदारी को तय करना है।

प्रिय प्रदेश वासियों,

राज्य के विकास के मायनों को अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर से मापा जा सकता है। सुदुर ग्रामीण अंचलों में सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही विकसित प्रदेश को सार्थक करता है। इस दिशा में केन्द्र व राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाना हमार मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। स्वस्थ नागरिक से ही समृद्ध प्रदेश का रास्ता तय किया जा सकता है। मुझे खुशी है कि इस दिशा में पहल निरंतर जारी है। राज्य सरकार की आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना में सभी परिवारों को 5लाख वाार्षिक निःशुल्क ईलाज की सुविधा दी जा रही है। इसमें अभी तक 48लाख 73हजार से अधिक लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा चुके हैं और इसमें 5 लाख 88 हजार

से अधिक मरीज मुफ्त उपचार करा चुके हैं। वहीं 207 प्रकार की पैथोलॉजिकल जांचों की निःशुल्क सुविधा भी लोगों को दी गयी है। यूएसएन में एम्स का सैटेलाइट सेंटर स्वास्थ्य सुविधाओं की बढ़ोत्तरी में बड़ा कदम है।

जल जीवन मिशन के अंतर्गत ''हर घर जल से नल'' एक रूपये में पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है जिसमें 7लाख से अधिक परिवारों को लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में पहली बार जल नीति को मंजूरी दी गयी है। जमरानी बांध परियोजना (बहुद्देशीय) से निवेश की स्वीकृति मिली है। इससे यूएसएन और नैनीताल के तराई क्षेत्र लाभान्वित होंग और 2055 तक 4.2 करोड़ क्यूविक मीटर पेयजल, 6.3 करोड़ यूनिट वार्षिक उत्पादन की योजना है। ग्रामीण क्षेत्रों में 4जी/5जी मोबाइल नेटवर्क एवं हाई स्पीड ब्रॉड बैंड व फाइबर इंटरनेट से जोड़ने की प्रस्तावित है। बीएसएनएल के 1202 टॉवरों की स्वीकृति भी है।

मुझे खुशी है कि राज्य सरकार सुविधाविहिन परिवारों को उनके जीवन स्तर को सुधारने की दिशा में भी प्रयासरत है। ...... सरकार द्वारा गरीब परिवारों को 3 सिलेंडर मुफ्त के संकल्प को पूरा करने के लिए बजट का प्रावधान किया है। पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना से प्रदेश के 60 लाख से अधिक लोग लाभान्वित हो रहे हैं। पीएम आवास योजना में लगभग 55 हजार गरीबों को आवास दिये जाने के लक्ष्य पर तेजी से काम चल रहा है। राज्य के निर्माण में

योगदान देने वाले राज्य आंदोलनकारियों की पेंशन में वृद्धि, विधवा, वृद्धावस्था और दिव्यांगजनों की पेंशन में भी वृद्धि की गई है। प्रदेश की लोक संस्कृति व कला को जीवंत रखने में अपना योगदान देने वाले कलाकारों के मानदेय दुगुना करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के मीड आंगनबाड़ी व आया बहनों के मानदेय में बढ़ोत्तरी की गयी है। वहीं अनाथ बच्चों की स्कूली शिक्षा के लिए सीएम बालाश्रम योजना भी शुरू की गयी। इन सभी निर्णयों से सरकार की संवेदनशीलता दिखाई देती है।

मेरा मानना है कि विकास के लिए ट्रिपल–आर–Road, Railway, Ropeway Conectivity बहुत जरूरी है। इस दिशा में प्रदेश सरकार ने कई कदम उठाए हैं। ऋषिकेश–कर्णप्रयाग रेल परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। टनकपुर–बागेश्वर, डोईवाला से गंगोत्री–यमुनोत्री रेललाइन सर्वे पर सहमति मिल चुकी है। प्रधानमंत्री जी द्वारा हाल में ही गौरीकुंड–केदारनाथ और गोविंदघाट–हेमकुंड साहिब रोपवे की आधारशीला रखी गयी है। इसके अतिरिक्त 35 नई परियोजनाएं भी पर्वतमाला परियोजना में शामिल की जाएगी।

देहरादून और मसूरी में विश्व स्तरीय ट्रांसपोर्ट एंफ्रास्टक्चर के लिए भारत सरकार द्वारा 1750 करोड़

की परियोजना स्वीकृत की गई है। कई राजमार्गों के चौड़ीकरण, विस्तारिकरण पर कार्य जारी है।

मुझे संतोष है कि राज्य में युवाओं को केन्द्रबिंदु रखते हुए उनके रोजगार पर अधिक फोकस करते हुए 7 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया गतिमान है और 15 हजार पदों पर भी भर्ती जल्द ही शुरु की जा रही है। अतिथि शिक्षकों को 15000 से 25000 का मानदेय, शिक्षामित्रों को 15 से 20 हजार रूपये मानदेय किया गया है। खेल व खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए नई खेल नीति लायी गई है। सीएम उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना में 8 से 14 वर्ष के उभरते खिलाड़ियों को 1500 रूपये प्रतिमाह खेल छात्रवृत्ति दी जा रही है। 3900 उभरते खिलाड़ियों को यह छात्रवृत्ति दी गई है।

राज्य सरकार के सकारात्मक पहल से उत्तराखण्ड निवेशकों की पहल पंसद बन रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस–2021 की राज्यों की रैंकिंग में अचीवर्स की श्रेणी प्राप्त हुई है।

नीति आयोग की Expert preparedness Index में वर्ष 2021 की Ranking में हिमालयी

राज्यों में उत्तराखण्ड को प्रथम स्थान मिला है। कोविड के बाद राज्य में 600 से अधिक नये उद्योगों की स्थापना, जिसमें 35 हजार कपड़े का निवेश हुआ। प्रदेश में सुशासन के क्षेत्र में भ्रष्टाचार मुक्त एप–1064, और सीएम हेल्पलाइन इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा कर कारगर पहल कर रहे हैं।

पर्यटन प्रदेश होने के नाते यहाँ सरकार ने कई कदम उठाये है। होम स्टे योजना के अंर्तगत ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। 16 इको टूरिज्म डेस्टिनेशन विकसित किये जा रहे हैं। फिल्म शूटिंग के डेस्टिनेशन के रूप में प्रदेश उभर रहा है। राज्य को बैस्ट फ्रेंडली स्टेट अवार्ड मिला है। यह सभी उपलब्धियां संतोषजनक है। अभी फासला बहुत दूर है। सरकार के साथ जनभागीदारी के समन्वित प्रयासों से हम प्रदेश को आगे बढ़ाने का कार्य कर सकते हैं।

प्रिय प्रदेश वासियों,

आज का दिन गहरे आत्ममंथन करने का है। हमने जो भी लक्ष्य तय किये हैं, उन्हें मजबूत इच्छाशक्ति और पूरे समर्पण भाव से पूरा करने के संकल्प लेने का दिन है।

हमें सोचना होगा कि कैसे हम स्वयं की तरक्की करे और साथ में हमारा देश और समाज भी तरक्की करे, आगे बढ़ें। यह दिन Self

Assessment का भी दिन है। हमें देखना होगा कि हमने अपने देश, समाज, राज्य के लिए क्या किया? अपने देश व समाज के लिए हम क्या कर सकते हैं। हमें सीर्फ यह नहीं सोचना है कि देश ने हमारे लिए क्या किया है, हमें खुद अपने अंदर देश के लिए जिम्मेदारी की भावना पैदा करनी है।

राज्य में पलायन हमारे सामने एक बड़ी चुनौती है। विशेषकर Border District में पलायन सामारिक दृष्टिकोण से चिंता का विषय है। हमें रिवर्स माइग्रेशन को एक मिशन बनाना है। मुझे इस दिशा में युवाओं, महिलाओं के साथ–साथ पूर्व सैनिकों कसे बड़ी उम्मीदें हैं। उत्तराखण्ड सैनिक बाहुल्य प्रदेश होने के नाते यहाँ पूर्व सैनिकों की बहुत बड़ी तादात हैं मेरा इन सभ्झी से आह्वान है कि वे अपने घरों, गांव में इनोवेशन टेक्नोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग, माइक्रो इंनवेशिंग के माध्यम से स्थानीय उत्पादों पर आधारित स्वरोजगार को बढ़ाने का प्रयास करें। उत्तराखण्ड इन स्थानीय उत्पादों को अन्तर्राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म में स्थापित करने का प्रयास करें। उत्तराखण्ड की महिलाएं आत्मनिर्भर है वे सशक्त है। मुझे पूरा भरोसा हे कि वे रिर्वस माइग्रेशन में एक बड़ी भूमिका निभाएगी। हमें महिला सशक्तीकरण से महिला नेतृत्व की ओर बढ़ना होगा। यहाँ की महिलाएं SHGके माध्यम Economic सशक्तीकरण का नया अध्याय लिख रही हैं।

मेरा पूर्व सैनिकों से अनुरोध है कि वे अपने मजबूत इरादों व दृढ़ इच्छाशक्ति जो उन्होंने देश की सीमाओं में दिखायी है। उसे पुर्नजीवित या फिर यू कहें उसे दोबारा प्रदेश के विकास में दिखाना है। वे अपने–अपने क्षेत्रों में आर्गनिक फार्मिंग एरोमेटिक प्लांट फार्मिंग,हार्टिक्लचर व फल उत्पादन, होम स्टे में आगे आएं। आप स्वयं भिज्ञ हैं कि हमारे प्रदेश में इन सभी चीजों के लिए प्रभु का एक बड़ा आशीर्वाद है। इसके लिए आप सभी स्थानीय लोगों का सहयोग करे और इस दिशा में कार्य करते हुए एक क्रान्ति के अग्रदूत बनें। स्थानीय लोगों की आमदनी बढ़ाने के साथ–साथ ये सभी क्षेत्र हमें आर्थिक समृद्ध बना सकते हैं। मुझे विश्वास है कि आप सभी पूर्व सैनिक मेरे इस आग्रह पर जरूर अमल करेंगे।

प्रदेश के युवाओं से मेरी अपेक्षाएं हैं कि वे Out of the Box thinking और अपनी नई Imagination के साथ प्रत्येक क्षेत्र में Unlimited तथा Unrestricted परिणाम देंगे। आप सभी युवा इस देश व राज्य का वर्तमान हैं और भविष्य हैं। आप राष्ट्र की अमूल्य निधि है। आपकी असाधारण ऊर्जा, रचनात्मक सोच, जुनून, जज्बा समाज व राष्ट्र का भविष्य तय करेंगे। 25 वर्षों के इस अमृतकाल में आपके योगदान पर भारत विकसित राष्ट्र व विश्वगुरू का सपना निर्भर बनके करेगा। आप स्वयं के कौशल हें। आप स्वयं अपनी प्रेरणा बनें। हमारे देश की

संस्कृति, विरासत, परम्पराओं और लोकगाथाओं से समृद्ध है। इन्हें अपनी शक्ति के रूप में प्रयोग करते हुए दुनिया को यह दिखाएं कि हमारा अमृतकाल न सिर्फ देश के विकास का काल बनेगा बल्कि दुनिया को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएगा।

हमारा देश तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्वविद्यालय की भूमि रही है, जिन्होंने यहाँ शिक्षा के उच्च मानक स्थापित किये। इसी परिकल्पना व सोच विचार के अनुसार प्रदेश के विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों को लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। नई शिक्षा नीति के लागू हो जाने के फलस्वरूप उच्च शिक्षा में सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिलेंगे, जो हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए शुभ संकेत हैं। मेरा विश्वविद्यालय से अनुरोध है कि वे शोध एवं अनुसंधान का लाभ जनहित में करें जिससे लोगों का जीवन आसान हो, तभी शिक्षा का सार्थक उपयोग हो सकेगा।

गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर मैं आप सभी को एक बार पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। आप सभी स्वस्थ रहें। आप सभी की खुशहाली व सुख–समृद्धि की कामना करता हूँ।

जय हिन्द।